

## P-8I पेट्रोल वमिन

### प्रलिस के लयः

P-8I पेट्रोल वमिन, COMCASA समझौता ।

### मेन्स के लयः

भारत-अमेरिका रक्षा संबध ।

## चर्चा में क्यों?

वमिन नरिमाता कंपनी बोइंग ने भारतीय नौसेना को 12वाँ **P-8I लंबी दूरी का समुद्री गश्ती वमिन (P-8I Long-range Maritime Patrol Aircraft)** सौंपा है । वर्ष 2016 में चार अतरिक्त वमिनों की आपूर्ति के लयि रक्षा मंत्रालय द्वारा हस्ताक्षरति वैकल्पकि अनुबंध के तहत यह चौथा वमिन है ।

## P-8I वमिनः

- यह एक लंबी दूरी का **समुद्री गश्ती एवं पनडुबबी रोधी युद्धक** वमिन है ।
- यह **P-8A पोसाइडन वमिन का एक प्रकार** है जसि बोइंग कंपनी ने अमेरिकी नौसेना के पुराने P-3 बेड़े के प्रतसिथापक के रूप में विकसति कयिा है ।
- P-8I वमिन **907 कर्मी. प्रतघंटे की अधिकतम गति और 1,200 समुद्री मील से अधिक** की दूरी तक के ऑपरेटिंग रेंज के साथ खतरों का पता लगा सकता है और आवश्यकता पडने पर भारतीय तटों के आसपास पहुँचने से पहले इन खतरों को अप्रभावी कर देता है ।
- वर्ष 2009 में **भारतीय नौसेना** P-8I वमिन के लयि **पहली अंतरराष्ट्रीय ग्राहक** बनी ।
  - नौसेना ने वर्ष 2009 में 2.2 बलियिन अमेरिकी डॉलर के सौदे के तहत आठ **P-8I** खरीदे थे । ये वमिन **तमलिनाडु के अरक्कोनम में स्थति 312A नेवल एयर स्क्वाडरन** का हसिसा हैं ।
  - वर्ष 2016 में नौसेना ने 1 बलियिन अमेरिकी डॉलर से अधिक के सौदे में चार और P-8I के लयि वैकल्पकि खंड का प्रयोग कयिा ।
  - इसके अलावा मई 2021 में अमेरिकी वदिश वमिाग ने भारत को छह अतरिक्त P-8I वमिनों और संबधति उपकरणों की संभावति बकिरी की मंजूरी दी ।
  - एनकरपिटेड संचार प्रणालयिों के साथ छह P-8I तैनात कयि जाएंगे, क्योंकि भारत ने अमेरिका के साथ संचार संगतता और सुरक्षा समझौते (COMCASA) के मूलभूत समझौते पर हस्ताक्षर कयिे हैं ।

## भारत-अमेरिका रक्षा संबधः

- यह प्रस्तावति बकिरी अमेरिका-भारत रणनीतिक संबधों को मज़बूती प्रदान करने में मदद करता है ।
  - अमेरिका के लयि हदि-प्रशांत और दक्षणि एशियाई क्षेत्र में राजनीतिक स्थरिता, शांति एवं आर्थकि प्रगतति की दशिा में भारत एक महत्वपूर्ण शक्तिबिना हुआ है ।
- संयुक्त राज्य अमेरिका से रक्षा खरीद दोनों देशों के बीच बढ़ते संबधों का एक अभन्नि अंग है ।
  - भारत-अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार वर्ष 2008 में लगभग शून्य था जो वर्ष 2020 में लगभग 20 बलियिन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है, इसने दोनों देशों के बीच प्रमुख नीति उन्नयन में मदद की ।
- वर्ष 2016 में अमेरिका ने भारत को एक "मेजर डिफेंस पार्टनर" नामति कयिा था । वर्ष 2018 में अमेरिका ने सामरकि व्यापार प्राधकिरण-1 (STA-1) के तहत भारत को नाटो सहयोगी देश और ऑस्ट्रेलिया, जापान तथा दक्षणि कोरिया के समान रक्षा प्रौद्योगिकी तक पहुँच प्रदान की है ।

## संचार संगतता और सुरक्षा समझौता (COMCASA):

- संचार संगतता और सुरक्षा समझौता (COMCASA) अमेरिका और भारत के संचार सुरक्षा उपकरणों के हस्तांतरण के लयि एक कानूनी ढाँचा है जो उनकी सेनाओं के बीच " इंटरऑपरेबिलिटी या अंतःसंचालन" की सुवधिा और संभवतः डेटा लकि सुरक्षा के लयि अन्य सेनाओं के साथ

अमेरिका-आधारित तंत्र का उपयोग करेगा।

- यह उन चार मूलभूत समझौतों में से एक है जो अमेरिका के सहयोगी और करीबी पार्टनर देशों को उच्च क्षमता तकनीक एवं सेनाओं के बीच अंतःसंचालन की सुविधा का संकेत देता है।
- यह संचार और सूचना पर सुरक्षा ज्ञापन समझौते (CISMOA) का एक भारत-वशिष्ट संस्करण है।
- **मलिट्री इन्फॉर्मेशन एग्रीमेंट ऑफ जनरल सिक्योरिटी (GSOMIA)**
  - यह सेनाओं को उनके द्वारा इकट्ठी की गई खुफिया जानकारी साझा करने की अनुमति देता है।
  - इस पर भारत ने वर्ष 2002 में हस्ताक्षर किये।
- वर्ष 2016 में भारत द्वारा **लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (LEMOA)** पर हस्ताक्षर किये गए।
  - यह दोनों देशों को ईंधन भरने और पुनःपूरत हेतु एक-दूसरे की नरिदषिट सैन्य सुविधाओं तक पहुँच की अनुमति देता है।
- **संचार और सूचना सुरक्षा समझौता ज्ञापन (CISMOA):** COMCASA समझौता, CISMOA का संचार और सूचना से संबंधित भारत-वशिष्ट संस्करण है। इस पर भारत ने वर्ष 2018 में हस्ताक्षर किये।
- **बुनियादी वनिमिय और सहयोग समझौता (BECA):** BECA भारत और अमेरिकी सैनिकों को एक-दूसरे के साथ भू-स्थानिक जानकारी और उपग्रह डेटा साझा करने की अनुमति देगा। BECA पर भारत ने वर्ष 2020 में हस्ताक्षर किये।

**स्रोत: द द्रिष्टि**

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/p-8i-patrol-aircraft-1>

